नाइपर के आये अच्छे दिन

उन्होंने संस्थान को स्थिरता प्रदान की

Source: https://dainiknavraj.com/2017/11/15/नाइपर-के-आये-अच्छे-दिन/

प्रो. रघुराम राव, नाईपर के नए निदेषक ने संस्थान में छह माह पूरे कर लिये। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने संस्थान को स्थिरता प्रदान की, जो जनवरी २०१० से मई २०१७ के बीच एक नियमित निदेषक की अनुपस्थिति से उत्पन्न होने वाली कठिनाइयों का सामना कर रहा था। उनके द्वारा की गई कुछ महत्वपूर्ण गतिविधियां निम्न हैं जिसमें जून २०१७ में रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय की संसदीय स्थायी समिति के दौरे के दौरान संस्थान की गतिविधियों को प्रस्तुत किया। उन्होंने संस्थान के सांविधिक निकायों के कामकाज को सक्रिय किया अर्थात शैक्षणिक योजना एवं विकास समिति, सीनेट, वित्त समिति, बोर्ड आॅफ स्टडीज तथा रिसर्च, विभागीय शैक्षणिक गतिविधि समिति आदि सम्मिलित हैं। इस अवधि के दौरान शासी मंडल (बी.ओ.जी.) की तीन बैठकें भी आयोजित की गई। इन निकायों के सुझावों का कार्यान्वयन किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त नाईपर, एस.ए.एस. नगर ने सी.एस.आई.आर.-सी.डी.आर.आई. (सेंट्रल ड्रग रिसर्च इंस्टीटयूट), लखनऊ के साथ फार्मास्यूटिकल विज्ञान के विकास एवं संवर्धन के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये हैं । सी.एस.आई.आर.-सी.डी.आर.आई. (सेंट्रल ड्रग रिसर्च इंस्टीटयूट), लखनऊ ड्रग डिस्कवरी के क्षेत्र में तथा नाईपर, एस.ए.एस. नगर फार्मास्यूटिकल विज्ञान के क्षेत्र में प्रमुख/ अग्रणी संस्थान है। प्रो. रघुराम राव अक्किनेपल्ली, निदेषक नाईपर ने नाईपर की ओर से तथा डाॅ.

मधु दीक्षित, निदेषक, सी.एस.आई.आर.-सी.डी.आर.आई, लखनऊ संस्थान की ओर से समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये हैं। इस कार्यक्रम का उददेष्य सी.एस.आई.आर.-सी.डी.आर.आई. तथा नाईपर के बीच संस्थागत संबंधों को बढ़ावा देना तथा जहां विषेषज्ञता मौजूद है वहां संभव सहयोग के लिए अन्य अवसरों का पता लगाना है। इस समझौता ज्ञापन का उददेष्य अनुसंधान के वैज्ञानिक क्षेत्रों में सहयोगात्मक अनुसंधान कार्य्रक्रम के जरिए सहयोग प्रदान करना है।